20 जुलाई से शुरू होगी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और मेघालय की राजधानी शिलांग के बीच विमान सेवा। यह सेवा इंडिगो एयरलाइंस मुहैया कराने जा रही है। इसके लिए तैयारियां जोरों से चल रही है।

प्रलयंकारी बारिश के कारण पटरी से उतरा मुंबई का जनजीवन

मुंबई में मूसलधार बारिश से जनजीवन बेहाल है। मंगलवार को यहां लोगों की मदद के लिए नौसेना को लगाया गया। एएनआइ

आफत ▸ जल जमाव के कारण कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात

रेल, हवाई सेवा और सड़क परिवहन पर पड़ा बुरा असर

राज्य ब्यूरो, मुंबई

बारिश के प्रलयंकारी रूप लेने के कारण मंगलवार को मुंबई बेबस सी हो गई। देश की आर्थिक राजधानी के कई हिस्सों में जल जमाव के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। रविवार से लगातार हो रही वर्षा के कारण रेल, हवाई सेवा एवं सड़क परिवहन पर बुरा असर पड़ा है। कई ट्रेनों और उड़ानों को रद कर दिया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 52 उड़ानों को रद और 54 को डाइवर्ट किया गया। दीवार ढह जाने से मुंबई में 22 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के शेष हिस्से में वर्षा जनित घटनाओं में पिछले 24 घंटे के दौरान 14 लोगों की जान गई है।

मौसम के बिगड़े हुए रुख को देखते हुए प्रशासन ने मंगलवार को स्कूल-कॉलेज बंद रखने की घोषणा की थी। सोमवार-मंगलवार की मध्यरात्रि मुंबईवासियों ने तीन घंटे में ही करीब 400 मिलीमीटर बरसात का सामना किया। यदि 26 जुलाई, 2005 की बाढ़ का दिन छोड़ दिया जाय तो 1974 के बाद यह दूसरा मौका है, जब कुछ ही घंटों के भीतर मुंबई में इतनी अधिक बरसात हुई है। मंगलवार दोपहर तक 48 घंटों के दौरान मुंबई में 550 मिलीमीटर बरसात हुई है।

मालाड के पिंपरीपाड़ा क्षेत्र में एक दीवार गिर जाने से कई लोग दब गए। इस घटना में 19 लोगों के मारे जाने की सूचना मिली है। कल्याण में एक उर्दू स्कूल की दीवार ढह जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। चांदीवली इलाके में पानी के तेज बहाव के कारण 90 फुट चौड़ी सड़क गहरे गड्ढे में तब्दील हो गई। क्रांति नगर कुर्ला में 1000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

दोपहर तक ठप रही उपनगरीय रेल सेवा : ट्रैक पर पानी भर जाने के कारण मध्य और पश्चिम रेलवे की उपनगरीय रेल सेवाएं मंगलवार दोपहर तक लगभग ठप रहीं। बरसात का ज्यादा असर मध्य रेलवे पर देखा गया, जहां सायन रेलवे स्टेशन की पटरियां थोड़ी बरसात के बाद ही डूब जाया करती हैं। बेस्ट की डेढ़ सौ से अधिक बसें भी जलभराव के कारण जगह-जगह खड़ी कर दी गईं।

मातोश्री के बाहर जलजमाव : मुंबई में हुई बारिश शिवसेना के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गई है। मुंबई महानगरपालिका की सत्ता पर काबिज पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री के बाहर जलजमाव हो गया है। उपनगरीय बांद्रा में कलानगर कॉलोनी में स्थित शिवसेना प्रमुख के आवास के बाहर घुटनों तक पानी भर गया है।

पुणे में मजदूरों की झोंपड़ी पर दीवार गिरी, छह की मौत : पुणे के अंबेगांव क्षेत्र में पिछले चार दिन के अंदर दूसरी बार चहारदीवारी मजदूरों की झोपड़ी पर गिर गई। दीवार के नीचे दबकर दो महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई। सभी मजदूर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

नासिक में वाटर टैंक ढहने से चार मजदूरों की जान गई : नासिक में एक निर्माणाधीन वाटर टैंक ढह जाने से चार मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने कहा कि गंगापुर रोड पर सोमेश्वर कालोनी में सुबह करीब 8:30 बजे यह हादसा हुआ।

सबवे में कार फंसने से दो की मौत : मलाड में सबवे में कार फंस जाने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया सोमवार रात 11:30 बजे दोनों मलाड में स्थित अपने घर लौट रहे थे। भारी बारिश के कारण सबवे में पानी भर गया था जिसमें उनकी कार फंस गई और वे बाहर नहीं आ सके। बाद में लोगों ने पानी में फंसी कार को खींच कर बाहर निकाला जिसमें दोनों बेहोश मिले। दोनों को समीप के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों की पहचान इरफान खान और गुलशाद शेख के रूप में की गई है।

मानसून चिंता का विषय नहीं, बोआई पकड़ेगी रफ्तार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जून में कम बारिश के बावजूद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा, 'फिलहाल मानसून चिंता का विषय नहीं है।' मानसून को लेकर मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर सरकार नजर रख रही है। कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने कहा कि खरीफ सीजन की प्रमुख फसल धान की रोपाई समय पर होगी। जुलाई और अगस्त में अच्छी बारिश होने वाली है। खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण जल्द ही हो जाएगा, जिससे फसलों की बोआई और जोर पकड़ेगी। दरअसल, एमएसपी की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। संभावना है कि बुधवार होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में इसका फैसला हो जाएगा। तोमर ने कहा कि भारत में सूखा और बाढ़ जैसे मुद्दे कोई नए नहीं हैं। मौसम विभाग का ताजा अनुमान इस तरह की चिंता का कोई विषय नहीं है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश जून में 33 फीसद कम हुई है। इसी के चलते खरीफ फसलों की बोआई केवल 1.46 करोड़ हेक्टेयर में हो सकी है। पिछले साल इसी अवधि में 1.62 करोड़ हेक्टेयर में बोआई हो चुकी थी। कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने माना कि जून में कुछ कम बोआई हो सकी है, जिसकी भरपाई जुलाई में हो जाएगी। अग्रवाल एक समारोह में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

रनवे से फिसला स्पाइसजेट का विमान

राज्य ब्यूरो, मुंबई

मुंबई में मंगलवार को एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा होते–होते बच गया। जयपुर से आ रहा स्पाइसजेट का विमान बारिश के चलते हवाई अड्डे के मुख्य रनवे से फिसलते हुए नीचे उतर गया। एएनआइ

मुंबई हवाई अड्डे पर लैंडिंग के समय जयपुर से आया स्पाइसजेट का विमान मेन रनवे से फिसलकर घास के मैदान में जा पहुंचा। हालांकि पायलट की सूझबूझ से यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। यह घटना सोमवार रात 11:45 बजे हुई। घटना के बाद मेन रनवे पर विमानों की आवाजाही ठप हो गई है। स्पाइसजेट का विमान हटाए जाने के बाद गुरुवार तक इसे चालू किया जा सकेगा। फिलहाल वैकल्पिक रनवे का उपयोग किया जा रहा है।

डीजीसीए ने सुरक्षा निर्देश जारी किए : भारतीय विमानन निगरानी नियामक डीजीसीए ने खराब मौसम में लैंडिंग के बाद विमानों के रनवे पर फिसलने की कई घटनाओं के मद्देनजर एयरलाइनों को सुरक्षा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीजीसीए ने एक सर्कुलर में कहा कि मानसून के दौरान विमानों के संचालन में चुनौतियां आती हैं जिसके कारण लंबे समय से दिक्कतें आ रही हैं। सर्कुलर में कहा गया है, 'विमान के क्रू सदस्यों को विपरीत मौसम में संचालन के दौरान विमान की रुकावटों और उड़ान भरने/लैंडिंग के बारे में अच्छी तरह परिचित होना चाहिए।' इसमें कहा गया है कि न्यूनतम कॉकपिट अनुभव का पालन करते हुए एयरलाइनों को विपरीत मौसम परिस्थितियों के दौरान विमानों का संचालन करने से पहले खुद खतरे का आकलन करना चाहिए।

मंगलुरु हवाई अड्डे पर विमान फिसलने की जांच शुरू : डीजीसीए की एक टीम ने दुबई से आए एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान के मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फिसल जाने की जांच शुरू कर दी है। रविवार शाम 186 यात्रियों और छह क्रू के साथ पहुंचा विमान मेन टैक्सीवे से फिसल कर कच्चे हिस्से में फंस गया था। सोमवार को विमान को पार्किंग एरिया में पहुंचाया गया। कथित रूप से तेज गति और गीले रनवे के कारण टर्मिनल की ओर बढ़ने के दौरान विमान फिसल गया।

कोलकाता एयरपोर्ट के रनवे भी पर फिसला विमान

जासं, कोलकाता : बारिश की वजह से कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट का रनवे गीला होने के कारण जेट स्पाइस का एक विमान मंगलवार को लैंडिंग के समय फिसल गया। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एयरलाइंस की ओर से बताया गया कि विमान को हल्की क्षति पहुंची है। विमान के फिसलने से रनवे के किनारे लगी चार लाइटों को भी नुकसान पहुंचा है। यह विमान पुणे से यहां पहुंचा था।

मोदी के 'बाउंसर' से बैकफुट पर आकाश विजयवर्गीय

नईदुनिया, इंदौर

नई दिल्ली में मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लेने के बाद बाहर निकलते पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय। प्रेट्र

कम उम्र में विधायक बने आकाश विजयवर्गीय ने 'बल्लेबाजी' तो कर दी, लेकिन उनकी राजनीतिक पारी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। आवेदन, निवेदन, दनादन की लाइन ऑफ एक्शन अपनाने वाला आकाश खेमा दिल्ली से नजरें टेढ़ी होने के बाद सन्न रह गया। संसदीय समिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयानों के 'बाउंसर' से भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश बैकफुट पर आ गए हैं। प्रधानमंत्री के सख्त रवैए के बाद कांग्रेस अब बल्लेबाजी मामले में आकाश और भाजपा को घेरने की तैयारी कर रही है।

गौरतलब है कि मप्र के इंदौर में नगर निगम अफसर की बल्ले से पिटाई के बाद कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र आकाश की छवि उनके समर्थक एक हीरो जैसी पेश करने में जुटे थे। शहरभर में 'सैल्यूट आकाश' के होर्डिंग लगाए गए थे। रिहाई के बाद जश्न मना। इन सब राजनीतिक घटनाक्रमों पर दिल्ली से नजर रखी जा रही थी और मंगलवार को उसका पटाक्षेप भी हो गया। आकाश ने अपने राजनीतिक शत्रु के रूप में मंत्री सज्जनसिंह वर्मा को चुना और उनके परिवार पर खतरनाक मकान खरीदने के आरोप लगाए। वर्मा का कहना है कि आकाश ने चर्चाओं में रहने के लिए अफसर को बल्ला मारा है। उनके पिता की कार्यशैली भी ऐसी रही है। वे अपने से बड़े कद के नेता से राजनीतिक शत्रुता रखते हैं। अब वैसी ही राजनीति आकाश अपना रहे हैं।

हाई कोर्ट ने कहा, अस्थायी आवास उपलब्ध कराने के बाद कार्रवाई कर सकता है निगम : गंजी कंपाउंड के जिस मकान को लेकर हंगामा हुआ, उसका टूटना तय हो गया। मंगलवार को हाई कोर्ट ने कहा कि मकान में रह रहे लोगों को दो दिन के भीतर अस्थायी आवास उपलब्ध कराने के बाद निगम मकान तोड़ने की कार्रवाई कर सकता है। कोर्ट ने जर्जर मकानों के खिलाफ निगम द्वारा चलाई जा रही मुहिम की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुंबई, पुणे जैसे हादसे होंगे तो हम ही निगम को कोसेंगे। मकान में किराए से रह रहे भेरूलाल जोशी ने निगम की कार्रवाई को चुनौती देते हुए पूर्व उप महाधिवक्ता पुष्यमित्र भार्गव के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें बताया गया था कि मकान मजबूत है। मंगलवार को जस्टिस रोहित आर्य की बेंच में सुनवाई हुई।

> प्रधानमंत्री का कथन देश के लिए बहुत अच्छा है। उन्होंने सभी को संदेश दिया है कि जो काम सौंपा है, उसे अपने दायरे में पूरा करें। जो हुआ है, वह नहीं होना चाहिए।
>
> **– धीरेंद्र बायस, बिल्डिंग इंस्पेक्टर, नगर निगम**

> मैं तो यही कहूंगा कि हमें न्याय मिला है और कुछ नहीं चाहिए। देश के मालिक ने हमारे पक्ष में ऐसा कहा तो यह गर्व की बात है। भविष्य में मैं दोगुने उत्साह से काम करूंगा।
>
> **– असित खरे, बिल्डिंग ऑफिसर, नगर निगम**

आकाश की राजनीति पर यह सब पड़ा भारी

अफसर को बल्ला मारने की घटना राष्ट्रीय चैनलों और अखबरों में सुर्खियां बनी। इसमें विधायक आकाश विजयवर्गीय ने अपना लाइन ऑफ एक्शन आवेदन, निवेदन फिर दनादन बताया। उनके इस बयान को पार्टी लाइन के खिलाफ माना गया।

कैलाश विजयवर्गीय द्वारा एक न्यूज चैनल के एंकर से उसकी औकात पूछने पर भी उनकी तीखी आलोचना हुई। एंकर से उलझते कैलाश का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

जेल जाने के कोर्ट आदेश और धरने के दौरान समर्थकों के आत्मदाह के प्रयास को भी राजनीतिक हलकों में अलग अंदाज में लिया गया।

शहर में आकाश के पोस्टर्स लगाकर भी उनकी रिहाई को महिमामंडित किया गया।

रिहाई के आदेश के बाद उनके एक समर्थक ने विधायक कार्यालय के नीचे पांच गोलियां चलाईं। यह घटना भी सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हुई और प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी इसे खूब भुनाया।

विधायक को जारी होगा कारण बताओ नोटिस

नईदुनिया, भोपाल

भाजपा में पहले आवेदन, फिर निवेदन और उसके बाद दनादन का फॉर्मूला नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सख्त रवैए के बाद मध्य प्रदेश भाजपा भी इंदौर के विधायक आकाश विजयवर्गीय को बख्शने के मूड में नहीं है। संगठन ने साफ कर दिया कि आकाश विजयवर्गीय को कारण बताओ नोटिस जारी कर अमर्यादित आचरण पर जवाब मांगा जाएगा। हालांकि, पार्टी के अधिकांश नेताओं ने मामला कैलाश विजयवर्गीय से जुड़ा होने के कारण मौन धारण कर लिया है।

किसने-क्या कहा : नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने कहा कि फिलहाल प्रामाणिक जानकारी हमारे पास नहीं है। सांसदों से भी संसद चलने के कारण बात नहीं हो पा रही है। एक बार सही बात पता चले तो कुछ बोलें। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा ने कहा कि सुबह साढ़े नौ बजे हमारी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक थी। संसदीय दल की बैठक में जा नहीं पाया। बैठक में क्या हुआ, कुछ पता नहीं।

भाजपा संसदीय दल के सचिव और सतना सांसद गणेश सिंह से कई बार बात करने की कोशिश की, एक बार उनके पीए दिनेश कुशवाह ने फोन उठाया और कहा कि साहब बंगले में हैं और व्यस्त हैं। वहीं, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह से कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई। निजी सहायक ने व्यस्तता का हवाला देकर बात नहीं कराई।

जवाब मांगा जा सकता है: भाजपा सूत्रों के मुताबिक, संगठन आकाश विजयवर्गीय को कारण बताओ नोटिस जारी कर अमर्यादित आचरण पर जवाब मांग सकती है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि हाईकमान से चर्चा के बाद इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। संगठन महामंत्री सुहास भगत ने कहा कि अभी प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह दिल्ली में हैं। वहां क्या बात हुई है, किन आधार पर क्या एक्शन पार्टी को लेना है, ये सब चर्चा के बाद तय किया जाएगा। भगत ने कहा कि जैसे दिशा-निर्देश केंद्र से मिलेंगे, संगठन वैसा कदम उठाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राकेश सिंह ने चार दिन पहले दिए बयान में कहा था कि कमलनाथ सरकार को इस बात का जवाब देना पड़ेगा कि अधिकारी सोच समझकर भाजपा के जनप्रतिनिधियों की अवहेलना क्यों कर रहे हैं।

अज्ञातवास पर आकाश : बल्ला कांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान आने के बाद आकाश की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। वे अज्ञातवास पर चले गए। उनके समर्थकों को भी नहीं मालूम कि वे कहां हैं। मीडियाकर्मी भी उनके निवास पर दोपहर में पहुंचे, लेकिन वे घर पर नहीं थे। आकाश को मंगलवार को भाजपा की सदस्यता अभियान की बैठक में शामिल होना था, लेकिन वे वहां भी नहीं पहुंचे।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुआ सैल्यूट मोदी: प्रधानमंत्री के बयान के बाद मंगलवार को इंदौर का बल्ला कांड और विधायक आकाश फिर से सोशल मीडिया पर पसंदीदा विषय बन गए। मोदी को अंपायर करार देते हुए सोशल मीडिया पर आकाश के आउट और समर्थक खेमे के आउट होने के मीम्स प्रसारित होने लगे। सोशल मीडिया पर हैशटैग सैल्यूट मोदी ट्रेंड करने लगा। बल्लेबाजी करते मोदी की तस्वीरें भी नजर आने लगीं।

पीएम को आकाश के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी : कांग्रेस

नई दिल्ली, एएनआइ : भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के विधायक पुत्र आकाश विजयवर्गीय के बारे में प्रधानमंत्री की टिप्पणी को कांग्रेस ने आइ वॉश करार दिया है। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री को आकाश विजयवर्गीय के बारे में बोलने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी।

कांग्रेस नेता शोभा ओझा ने मंगलवार को कहा, 'यह सिर्फ आइ वॉश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को आकाश विजयवर्गीय के खिलाफ कार्रवाई करने से कौन रोक रहा है? भाजपा में ऐसे नेताओं को पुरस्कृत करने का रिवाज है। जब प्रज्ञा ठाकुर ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथू राम गोडसे के समर्थन में बयान दिया था तो उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। उस समय भी प्रधानमंत्री ने सिर्फ टिप्पणी की थी और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।'

आइएएस अफसर को प्रताड़ित करने पर बिहार सरकार को फटकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- ट्रांसपोर्ट माफिया के खिलाफ आइएएस जितेंद्र गुप्ता ने की थी कार्रवाई
- कैट के आदेश को बिहार सरकार ने दी थी हाई कोर्ट में चुनौती

ट्रांसपोर्ट माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने वाले आइएएस अधिकारी जितेंद्र गुप्ता का निरादर करने और उन्हें परेशान व प्रताड़ित करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने बिहार सरकार को फटकार लगाई। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया कि 2013 बैच के आइएएस अधिकारी की इंटर-कैडर ट्रांसफर की कार्रवाई तत्काल शुरू की जाए और उन्हें बिहार कैडर से बाहर शिफ्ट करने का आदेश जारी हो। यह कार्रवाई चार सप्ताह में पूरी की जाए। पीठ ने बिहार सरकार को आदेश दिया कि वह अन्य भुगतान के साथ पांच लाख रुपये मुआवजे के रूप में जारी करे। पीठ ने कहा कि वह आइएएस अधिकारी के दुःख को कम तो नहीं कर सकती, लेकिन इस आदेश से उन्हें राहत मिलेगी।

कोर्ट ने कहा कि माफिया और सरकारी मशीनरी के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत करने वाले अधिकारी को सुरक्षा देने में अदालत नाकाम रही तो गलत काम करने वालों के खिलाफ कोई अधिकारी नहीं खड़ा होगा। आइएएस अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने हरियाणा तबादला करने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने के कारण उनकी जान को खतरा है। इस पर सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन ट्रिब्यूनल (कैट) ने केंद्र सरकार को तबादला करने पर विचार करने के निर्देश दिए थे। कैट के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर कर बिहार सरकार ने दावा किया था कि आइएएस अधिकारी के कैडर ट्रांसफर के पीछे की मंशा को समझने में ट्रिब्यूनल नाकाम रहा है। दावा किया था कि आइएएस अधिकारी आपराधिक मामले से बचना चाहते हैं, जिसमें उन्हें बरी कर दिया गया, लेकिन टीम के अन्य सदस्य आरोपित हैं। सुनवाई के दौरान जितेंद्र गुप्ता के वकील ने अदालत को बताया था कि उनके मुवक्किल को जुलाई 2017 से वेतन नहीं दिया जा रहा है।

पटना हाई कोर्ट ने रद की थी एफआइआर : जितेंद्र गुप्ता पर आरोप था कि उन्होंने तीन जुलाई 2016 को तीन ट्रक जब्त किए थे और उन्हें छोड़ने के बदले रिश्वत की मांग की थी। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। एक महीने जेल में रहने के बाद वह जमानत पर छूटे थे। एफआइआर रद करने के खिलाफ गुप्ता ने पटना हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी और हाई कोर्ट ने जितेंद्र गुप्ता के खिलाफ दर्ज एफआइआर 28 अक्टूबर 2016 को रद कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के आदेश का बरकरार रखते हुए केंद्र सरकार को अंतरराज्यीय तबादले पर विचार करने का आदेश दिया था।

दुष्कर्म मामले में अभिनेता आदित्य पंचोली को राहत

मुंबई, प्रेट्र: दुष्कर्म से जुड़े मामले में स्थानीय अदालत ने बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली को 19 जुलाई तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दे दी है। उन्होंने अंतरिम जमानत के लिए ढिंडोसी सत्र न्यायालय में अपील की थी।

अभिनेता की जमानत की मांग करते हुए उनके वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि आरोप लगाने वाली महिला ने अपनी शिकायत में झूठ बोला था। शिकायत और पासपोर्ट में उसकी जन्मतिथि अलग-अलग हैं और इस तरह की विसंगति दिखाती है कि उसका इरादा झूठ बोलने का था। वकील ने कहा कि कथित अपराध के 15 वर्षों तक महिला चुप रही। उसने तब शिकायत दर्ज कराई जब महिला द्वारा दर्ज कराए गए अवमानना मामले में जज ने पंचोली के पक्ष में फैसला सुना दिया।

उधर, पुलिस ने अंतरिम जमानत का विरोध किया। जज एचबी गायकवाड़ ने सुनवाई को 19 जुलाई तक स्थगित कर दिया और पंचोली को अंतरिम राहत प्रदान कर दी। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगर इस दौरान पंचोली को गिरफ्तार किया जाता है तो उन्हें अगले आदेश तक अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि पंचोली ने उसके निजी फोटो रिश्तेदारों और दोस्तों को भेजने की धमकी देकर उससे 50 लाख रुपये भी ऐंठे हैं। जबकि पंचोली का कहना है कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया जा रहा है।

बदला रूप

जागरण की मुहिम रंग लाई, कैराना के सुखनखेज अतीत की होगी वापसी, किराना घराना के लिए सोशल मीडिया व देश–दुनिया में उठी आवाज

पलायन नहीं, किराना घराना से होगी कैराना की पहचान

जागरण संवाददाता, शामली

पलायन को लेकर देशभर में चर्चा में आए उप्र के शामली स्थित कैराना को खोई प्रतिष्ठा दोबारा वापस मिलने की उम्मीद परवान चढ़ रही है। इसके तहत संगीत के महान किराना घराना की धरोहर सहेजने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। जिले के नेताओं और प्रशासन ने इस बाबत कई घोषणाएं भी कर दी हैं। सोशल मीडिया और देश-दुनिया में संगीत-साहित्य के क्षेत्र से भी कैराना की पहचान प्रतिष्ठित संगीत घराना से कराने की आवाज उठ रही है।

दैनिक जागरण में रविवार को 'किराना घराना से कैराना का किनारा' शीर्षक से खबर प्रकाशित होते ही शामली के प्रशासन, राजनीतिज्ञों और संगीतज्ञों ने किराना घराना की धरोहर सहेजने का बीड़ा उठा लिया है। सपा विधायक नाहिद हसन ने कहा कि राज्य सरकार से किराना घराने की विरासत को सहेजने, स्मारक बनाने व उस्ताद अब्दुल करीम खां के आवास का अधिग्रहण कर वहां म्यूजियम बनाने की मांग की जाएगी। यहां हर वर्ष उस्ताद करीम खां संगीत महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव भी दिया जाएगा। उस्ताद के नाम पर कचहरी में लाइब्रेरी बनाई जाएगी। राज्य सरकार से मांग की जाएगी कि पानीपत-खटीमा मार्ग का नाम उस्ताद के नाम पर रखा जाए। कैराना-कांधला तिराहा पर उस्ताद का स्मारक बनाया जाए। नगरपालिका के हाल में उस्ताद का चित्र लगाया जाएगा। राज्यमंत्री सुरेश राणा ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह ने भी पिछले दिनों उनसे किराना घराना के बाबत बात की थी। राणा ने मुख्यमंत्री से इस बारे में बातचीत करने की बात कही है।

> किराना घराने को सम्मान देने वाले लोगों का आभार। उम्मीद है कि केंद्र व राज्य सरकार किराना घराने की विरासत को सहेजने का प्रयास करेगी।
>
> **– संगीतज्ञ इकबाल सोनी, उस्ताद करीम खां के प्रपौत्र**

यह है किराना घराना : कैराना में 1872 में सारंगी वादक उस्ताद काले खां के यहां अब्दुल करीम खां का जन्म हुआ। इन्होंने बीस साल की उम्र में कैराना से छोड़ दिया था और जयपुर के राजघराने में बतौर शास्त्रीय गायक नियुक्त किए गए। करीम खां को कैराना की मिट्टी से इतनी मोहब्बत थी कि इन्होंने अपनी संगीत की नर्सरी का नाम किराना घराना रखा। इस घराने ने उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत शैली के बीच सेतु का काम किया। यह घराना विशिष्ठ ख्याल गायकी, ठुमरी, दादरा, भजन और मराठी नाट्य संगीत गायन के लिए जाना जाता है। भारत रत्न भीमसेन जोशी, मोहम्मद रफी, बेगम अख्तर, खय्याम और रूपकुमार राठौड़ समेत कई दिग्गजों ने इसी घराने में संगीत का ककहरा सीखा।

भीम आर्मी के पदाधिकारी ने दी परिवार संग पलायन की चेतावनी

जागरण संवाददाता, बागपत : चौबीस घंटे में पुलिस सुरक्षा न मिलने पर भीम आर्मी के बागपत विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष सुरेंद्र ने परिवार समेत गांव से पलायन की चेतावनी दी है। बागपत के बड़ौत में बीते 16 अप्रैल को आधा दर्जन बदमाशों ने हसनपुर-मसूरी गांव निवासी सुरेंद्र को गोली मारकर घायल कर दिया था। मामले में सात लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। पांच लोग जेल भेजे गए थे। पुलिस ने केस से दो आरोपितों के नाम निकाल दिए थे। आरोप है कि हमलावर पक्ष के लोग समझौता नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सुरेंद्र को अभी सिर्फ दिन के समय पुलिस सुरक्षा दी जा रही है लेकिन वह अधिकारियों से 24 घंटे सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। सुरेंद्र ने सुरक्षा न मिलने पर परिवार समेत पलायन करने की चेतावनी दी है। परिजनों ने बताया कि जान बचाने के लिए सुरेंद्र मंगलवार सुबह अपने रिश्तेदार के यहां चले गए। सीओ आरपी सिंह का कहना है कि मामले की जानकारी लेंगे।

ससुर से संबंध बनाने से इन्कार किया तो पति ने दिया तीन तलाक

जागरण संवाददाता, यमुनानगर

- हरियाणा के यमुनानगर का मामला
- स्थानीय पुलिस ने नहीं की सुनवाई

ससुर से संबंध बनाने से इन्कार किया, तो पति ने तीन तलाक देकर पत्नी को घर से निकाल दिया। मामला शहर थाना जगाधरी एरिया की कॉलोनी का है। जब स्थानीय पुलिस ने महिला की सुनवाई नहीं की, तो उसने एसपी कुलदीप यादव से गुहार लगाई। एक पखवाड़े में तीन तलाक का ये दूसरा मामला है।

एसपी को दी शिकायत में यमुनानगर निवासी पीड़िता ने कहा 15 जनवरी 2005 को उसका निकाह जगाधरी के युवक से हुआ। पिता ने हैसियत से बढ़कर दान दहेज दिया। इसमें पांच लाख रुपये खर्च हुए। उसके एक बेटा और बेटी हैं। निकाह के करीब दो साल बाद उसके ससुर ने उस पर गलत नीयत रखते हुए जोर जबदस्ती शुरू कर दी। जब इस बारे में पति को बताया, तो उसने उसका ही कसूर निकल दिया। जब सास को बात बताई, तो उसने भी यकीन नहीं किया। इसके बाद उसे घर से निकालकर चौबारे पर बने टीन के छप्पर में भेज दिया, जिसमें न तो दरवाजा था और न ही दीवार थी। पति के काम पर जाने के बाद ससुर ताक-झांक करता था। उसने माता-पिता को इस बारे में बताया तो वे उसे अपने साथ ले गए। बाद में बिरादरी पंचायत में ससुरालियों ने गलती मानी और वह वापस आ गई।

सास की मौत के बाद की जबरदस्ती : पीड़िता के मुताबिक सास की मृत्यु के बाद ससुर उसके कमरे में आया और जबरदस्ती करने लगा। कहने लगा कि 50 गज का प्लॉट उसके नाम करा देगा और खर्च भी उठाएगा। यदि वह उसकी बात मान जाए तो पति को इस बारे में पता नहीं लगेगा। इस बात को पति और देवर को बताया, तो उन्होंने लात और घूसों से पीटा। 25 जून को उन्होंने पीड़िता को बच्चों सहित घर से निकाल दिया। जब उसने 100 नंबर पर मदद के लिए फोन किया, तो पति ने तैश में आकर उसे तीन तलाक दे दिया।